1. केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए!

- केंद्रीय कृषि और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने 6 राज्यों के 100 गांवों में एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) की शुरुआत की।
- माइक्रोसॉफ्ट ने 6 राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान और आंध्र प्रदेश) के 10 जिलों में चयनित 100 गांवों में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए आगे आया है, जिसमें पोस्ट के लिए स्मार्ट और अच्छी तरह से संगठित कृषि के लिए किसान इंटरफ़ेस विकसित करना शामिल है।फसल प्रबंधन और वितरण। इस परियोजना के लिए, Microsoft अपने स्थानीय साझेदार, क्रॉपडाटा के साथ शामिल हो गया है। इस संबंध में, कैबिनेट मंत्री श्री तोमर और राज्य के दो मंत्रियों की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन और त्रिपक्षीय समझौते का आदान-प्रदान किया गया है। यह परियोजना एक वर्ष के लिए है और समझौता ज्ञापन पर दोनों पक्ष अपनी लागत वहन करेंगे। यह परियोजना चयनित 100 गांवों में किसानों की बेहतरी के लिए विभिन्न कार्य करेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। यह परियोजना किसानों के लिए इनपुट लागत को कम करेगी और खेती को आसान बनाएगी। देश में एक जीवंत डिजिटल कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अन्य सार्वजनिक और निजी खिलाड़ियों के साथ इसी तरह की पायलट परियोजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव है।
- सरकार का लक्ष्य असंगत जानकारी की अड़चन को दूर करके किसानों की आय में वृद्धि करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई नई पहल शुरू की गई हैं। इस संबंध में एक बड़ी पहल, राष्ट्रीय किसान डेटाबेस पर आधारित कृषि-निधि का निर्माण है
- सरकार देश भर के किसानों के भूमि रिकॉर्ड को जोड़कर एक किसान डेटाबेस तैयार कर रही है। सरकार के पास उपलब्ध पीएम किसान, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित आंकड़ों को एकीकृत किया गया है और अन्य आंकड़ों को शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है।
- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कृषि मंत्रालय की सभी योजनाओं के आधार पर बनाई गई सभी संपत्तियों की जियो टैगिंग के लिए भी निर्देश जारी किए हैं।

2. नई इलेक्ट्रॉनिक नाक

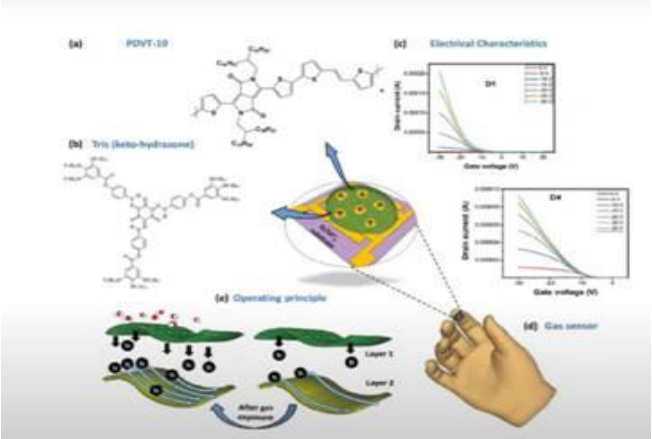

- वैज्ञानिकों ने बायोडिग्रेडेबल बहुलक और मोनोमर के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक नाक विकसित किया है जो हाइड्रोजन सल्फाइड (H2S), दलदलों और सीवरों से उत्पन्न एक जहरीली, संक्षारक और ज्वलनशील गैस का पता लगा सकता है।
- H2S ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में कार्बनिक पदार्थों के माइक्रोबियल टूटने से उत्पन्न प्राथमिक गैस है, और यह सीवर और दलदल से इसके उत्सर्जन की आसान पहचान की आवश्यकता है।
- इस चुनौती का जवाब देते हुए, सऊदी अरब से अपने समकक्षों के सहयोग से सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (सीएनएस), बैंगलोर, के वैज्ञानिकों ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान को असाधारण रूप से संवेदनशील बनाया है। और चयनात्मक H2S गैस सेंसर हवा के अणुओं या घ्राण रिसेप्टर न्यूरॉन (ORN) की पहचान के लिए जिम्मेदार न्यूरॉन का उपयोग करके विकसित किया गया।
- फैब्रिकेटेड सेंसर में दो परतों से युक्त एक हेटरोस्ट्रक्चर होता है - शीर्ष परत एक मोनोमर और एक उपन्यास रासायनिक ट्रिस (कीटो-हाइड्रोज़ोन) के साथ महसूस किया जाता है, जो दोनों छिद्रपूर्ण होता है और इसमें H2S विशिष्ट कार्यात्मक समूह होते हैं, और निचला परत सक्रिय चैनल होता है। परत जो चार्ज वाहक की वर्तमान और गतिशीलता को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- इस प्रकार सहक्रियात्मक संयोजन H2S अणुओं को पूर्व-केंद्रित करने में मदद करता है, एक एसिड-बेस रासायनिक प्रतिक्रिया शुरू करता है, और जिससे डिवाइस में चैनल क्षेत्र के बहुमत वाहक (छेद) में बदलाव होता है। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित कैपेसिटेंस सेंसर (एक सेंसर, जो सेंसर द्वारा बनाए गए विद्युत क्षेत्र पर उनके प्रभाव से आस-पास की वस्तुओं का पता लगाता है) ने H2S गैस का पता लगाने में एक उत्कृष्ट संवेदनशीलता दिखाई, जिसमें प्रति बिलियन लगभग 25 भागों का पता लगाया गया। यह भी संवेदन प्रदर्शन से समझौता किए बिना लगभग 8 महीने की उच्च परिवेश स्थिरता है।

ACHIEVERS IAS ACA

3. ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन पोर्टल!

- केंद्रीय संचार और कानून और न्याय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रतन लाला कटारिया की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन पोर्टल का शुभारंभ किया!
- एनसीएससी शिकायत प्रबंधन पोर्टल हमारे देश की अनुसूचित जाति की आबादी के लिए देश के किसी भी हिस्से से अपनी शिकायत दर्ज करना आसान बना देगा। पोर्टल उन्हें अपने आवेदन और अन्य अत्याचार और सेवाओं से संबंधित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने और उन्हें समयबद्ध तरीके से संबोधित करने में सक्षम करेगा।
- भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियोइन्फॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत उत्कृष्टता केंद्र, भारत सरकार के सहयोग से बनाया गया पोर्टल, शिकायतों के अंत में ई-फाइलिंग की सुविधा प्रदान करेगा। शिकायतों और उनके ट्रैकिंग। अंत में, सुनवाई प्रक्रिया को ई-कोर्ट के समान लाइनों पर काम करने का इरादा है। यह पोर्टल आयोग की वेबसाइट से जुड़ा हुआ है और कोई भी व्यक्ति इस पर शिकायत दर्ज कर सकता है। दस्तावेज़ और ऑडियो / वीडियो फ़ाइलों को अपलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध है। यह शिकायतों और शिकायतों के भौतिक प्रस्तुतीकरण का पूरक होगा।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) का गठन भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत किया गया था, जिसका उद्देश्य किसी भी कानून के तहत अनुसूचित जाति के लिए प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच और निगरानी करना है। भारत सरकार का कोई भी आदेश। आयोग अनुसूचित जाति के लिए प्रदान किए गए अधिकारों और सुरक्षा उपायों से वंचित करने के संबंध में विशिष्ट शिकायतों की भी जांच करता है। एनसीएससी ने एससी समुदाय के कारण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया जैसा कि सरकार के संविधान और नीतियों में अनिवार्य है।

4. सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य डिजिटल मंच MANAS प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा शुरू किया गया

- भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो। के। विजयराघवन ने वास्तव में आयु समूहों में भलाई को बढ़ावा देने के लिए "MANAS" ऐप लॉन्च किया। MANAS जो मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य प्रणाली के लिए खड़ा है, प्रधानमंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC) द्वारा एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में समर्थन किया गया था।
- MANAS एक व्यापक, स्केलेबल और राष्ट्रीय डिजिटल भलाई मंच है और भारतीय नागरिकों की मानसिक भलाई बढ़ाने के लिए एक ऐप विकसित किया गया है। MANAS ऐप विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के स्वास्थ्य और कल्याण प्रयासों को एकीकृत करता है, वैज्ञानिक रूप से विभिन्न देशी निकायों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित / शोधित इंटरफेस के साथ स्वदेशी उपकरण मान्य है।
- MANAS को भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा शुरू किया गया था। यह NIMHANS बेंगलुरु, AFMC पुणे और C-DAC बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से निष्पादित किया गया था।

5. पारंपरिक नव वर्ष

- देश के विभिन्न क्षेत्रों मे उगाडी, गुड़ी पड़वा, चैत्र सुकलादि, चेती चंद, विशु, पुथंडु और बोहाग बिहू के रूप में पारंपरिक नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। लूणी-सौर कैलेंडर के अनुसार, चैत्र की पूर्णिमा का पहला दिन हिंदू नए साल की शुरुआत है।
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोग इसे 'उगादी' कहते हैं, और कर्नाटक में, यह 'युगादी' है। महाराष्ट्र में, इसे 'गुड़ी पड़वा' के रूप में मनाया जाता है, और तमिलनाडु में, इसे 'पुथांडु' के रूप में मनाया जाता है। केरल में, दिन को 'विशु' के रूप में मनाया जाता है, पंजाब में इसे

ACHIEVERS IAS ACAD

'वैसाखी' कहा जाता है और ओडिशा में इसे 'पाना संक्रांति' कहा जाता है। पश्चिम बंगाल में, इसे 'पोइला बोइशाख' और असम में 'बोहाग बिहू' कहा जाता है।

- दुनिया भर में तेलुगु भाषी लोग अपना तेलुगु नव वर्ष दिवस उगादी मना रहे हैं। हालांकि COVID महामारी की स्थिति में कमी आई है, लोग पारंपरिक उत्सव के साथ प्रथागत उत्सवों का अवलोकन कर रहे हैं। यह त्योहार हिंदू चंद्र कैलेंडर की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए दो तेलुगु राज्यों, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में मनाया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशभर में नागरिकों के लिए मनाए जा रहे चैत्र सुकलाड़ी, उगादि, गुड़ी पड़वा, चेटी चंद, बैसाखी, विशु, नवरेह और सजिबु चीराबा की बधाई दी है। उन्होंने नए संवत वर्ष 2078 की शुरुआत पर भी शुभकामनाएं दीं और सभी के जीवन में खुशी और आनंद की कामना की।

6. अटल इनोवेशन मिशन और डसॉल्ट सिस्टम फॉंडेशन ने भविष्य के नवप्रवर्तनकर्ताओं और उद्यमियों के लिए साझेदारी की घोषणा की!

- अटल इनोवेशन मिशन (AIM), NITI Aayog ने आज भारत में नवप्रवर्तन के डिजिटल रूप से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने और देश भर में युवा युवाओं के बीच STEM आधारित नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में संयुक्त रूप से Dassault Systemes Fondation के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- AIM के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक, अटल टिंकरिंग लैब्स (ATL) ने स्कूली बच्चों के बीच रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य को 3 डी प्रौद्योगिकियों और आभासी ब्रह्मांडों के साथ बदलने के लिए समर्पित डसॉल्ट सिस्टम फॉंडेशन, तीन व्यापक क्षेत्रों में एटीएल कार्यक्रम में योगदान करने के लिए तैयार है - परियोजना आधारित, स्व-पुस्तक सीखने की सामग्री, हैकथॉन और चुनौतियां और अंतर- देश के अकादमिक सहयोग।
- डसॉल्ट सिस्टम फॉंडेशन ने अपने सीएसआर उद्देश्यों के हिस्से के रूप में एक पहल तैयार की है और विकसित की है, जो 'रेडी टू यूज़' के शुरुआती सेट के साथ अच्छी तरह से प्रलेखित सेल्फ-लर्निंग ट्रेनिंग कम इंस्ट्रक्शनल प्लेबुक है, जिसमें दृश्य समझ के लिए उपयुक्त वीडियो हैं जो वे एटीएल छात्रों के साथ साझा करेंगे वे डिजिटल रूप से पहुंच सकते हैं। यह प्लेबुक शिक्षकों के लिए निर्देशात्मक वीडियो के साथ आता है ताकि इसे विशेषज्ञों के न्यूनतम समर्थन के साथ लागू किया जा सके। यह सामग्री एआईएम को एटीएल और अन्य स्कूलों के साथ-साथ भारत में स्कूली बच्चों के उपयोग के लिए सभी स्कूलों के लिए उपलब्ध होगी।
- इस SoI के तहत, Dassault Systemes Fondation ATLs के लिए नवीन चुनौतियों / हैकथॉन को डिजाइन और व्यवस्थित करेगा, जिससे छात्रों और शिक्षकों के बीच समस्या निवारण कौशल, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी आधारित खोजपूर्ण शिक्षण कौशल और नवाचार संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
- इस सहयोग के माध्यम से, AIM और Dassault Systemes Fondation संयुक्त रूप से स्कूलों और स्कूल के छात्रों के बीच सहयोगात्मक विज्ञान / प्रौद्योगिकी सीखने, कौशल और छात्रों के बीच सांस्कृतिक बातचीत के लिए अंतर देश सहयोग को प्रोत्साहित करेगा।

7. रायसीना डायलॉग -2021

- विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिष्ठित रायसीना डायलॉग का 6 वां संस्करण वस्तुतः 13-16 अप्रैल, 2021 से आयोजित किया जाएगा।
- रायसीना संवाद का यह संस्करण मानव इतिहास में एक वाटरशेड क्षण पर होता है।
- 2021 के संस्करण की थीम "#ViralWorld: आउटरीक्स, आउटकैलर्स और नियंत्रण से बाहर"। है।
- प्रधान मंत्री ने वैश्विक समुदाय से वर्तमान संदर्भ में कुछ प्रासंगिक सवालों पर आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान किया।
- प्रधान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रणालियों को स्वयं को अनुकूलित करना चाहिए, ताकि अंतर्निहित कारणों का पता चल सके और न केवल लक्षणों का। प्रधान मंत्री ने मानवता को हमारे विचारों और कार्रवाई के केंद्र में रखने का आह्वान किया, और आज की समस्याओं और कल की चुनौतियों का समाधान करने वाली रचनाओं को।

ACHIEVERS IAS ACADEMY

8. वैज्ञानिकों ने सबसे दूर गामा-रे को सक्रिय उत्सर्जन लाइनों के साथ सक्रिय आकाशगंगा का पता लगाया

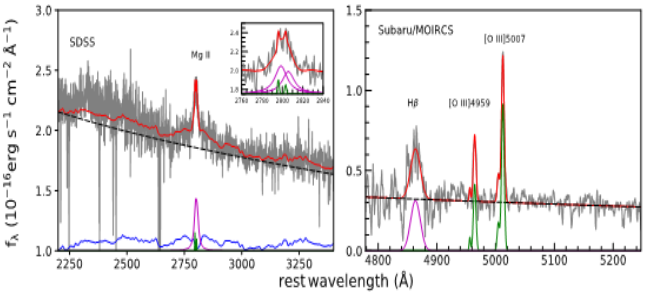

- खगोलविदों ने एक नई सक्रिय आकाशगंगा की खोज की है जो सबसे दूर गामा-किरण उत्सर्जित करने वाली आकाशगंगा के रूप में पहचानी गई है जो अब तक लड़खड़ा गई है। यह सक्रिय आकाशगंगा जिसे नैरो-लाइन सेफ़र्ट 1 (NLS1) आकाशगंगा कहा जाता है, जो लगभग 31 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर है, ऐसे और अधिक गामा-किरण उत्सर्जित आकाशगंगाओं का पता लगाने के लिए रास्ते खोलती है जो हमसे मिलने का इंतजार करती हैं।
- 1929 के बाद से, जब एडविन हबल ने पाया कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है, तो यह ज्ञात है कि अधिकांश अन्य आकाशगंगाएं हमसे दूर जा रही हैं। इन आकाशगंगाओं से प्रकाश को लंबे समय तक स्थानांतरित किया जाता है (और इसका अर्थ है रेडर) तरंगदैर्ध्य - दूसरे शब्दों में, यह लाल-शिफ्ट है। वैज्ञानिक शुरुआती ब्रह्मांड को समझने के लिए इस तरह की लाल-स्थानांतरित आकाशगंगाओं का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।
- ARIES के वैज्ञानिकों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार के एक स्वायत संस्थान, ने अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं के सहयोग से स्लोअली डिजिटल स्काई सर्वे (SDSS) से लगभग 25,000 चमकदार सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक (AGN) का अध्ययन किया। पिछले 20 वर्षों में खगोलीय पिंडों के एक प्रमुख ऑप्टिकल इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक सर्वेक्षण में ऑपरेशन किया गया और एक अनोखी वस्तु मिली जो उच्च रेडशिफ्ट (1 से अधिक) में स्थित उच्च ऊर्जा गामा किरणों का उत्सर्जन करती है। उन्होंने इसकी पहचान एक गामा-किरण के रूप में की जो एनएलएस 1 आकाशगंगा का उत्सर्जन कर रहा है, जो अंतरिक्ष में एक दुर्लभ इकाई है।
- शोध के लिए, वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे बड़े ग्राउंड-आधारित दूरबीनों में से एक, हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका के 8.2 मीटर सुबारू टेलीस्कोप का उपयोग किया। उन्होंने उच्च रेडशिफ्ट एनएलएस 1 आकाशगंगाओं को खोजने के लिए एक नई विधि स्थापित करने में मदद की, जो पहले से ही उनके स्पेक्ट्रा में विभिन्न उत्सर्जन लाइनों की तुलना करके नहीं जानी जाती थीं। एनएलएस 1 का उत्सर्जन करने वाला नया गामा-रे तब बना था, जब ब्रह्मांड केवल 13.8 बिलियन वर्ष की वर्तमान आयु की तुलना में केवल 4.7 बिलियन वर्ष पुराना था।

9. पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त जी.वी.जी. कृष्णमूर्ति का निधन!

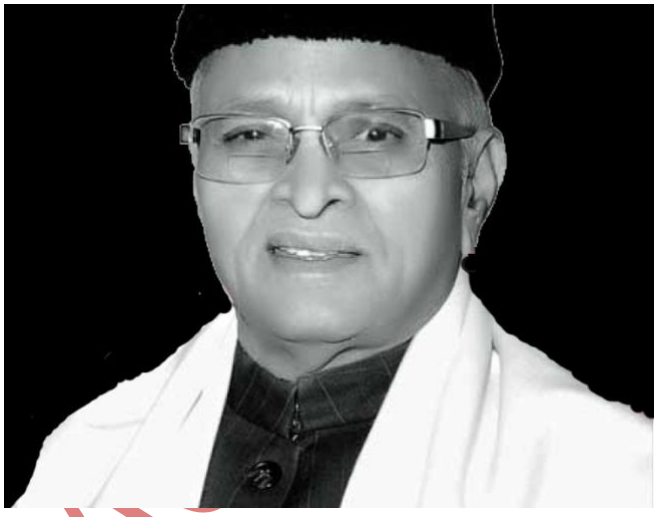

- पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त जी.वी.जी. कृष्णमूर्ति का बुधवार को आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया, वह 86 वर्ष के थे।
- कृष्णमूर्ति ने 1 अक्टूबर, 1993 से 30 सितंबर, 1996 तक चुनाव आयुक्त के रूप में आयोग में अपने कार्यकाल के दौरान एक अनुकरणीय योगदान दिया था।
- विशेष रूप से चुनाव कराने के कानूनों और प्रक्रियाओं को मजबूत करने में उनके योगदान को आयोग द्वारा लंबे समय तक याद किया जाएगा!

10.फेसबुक और क्लीनमैक्स

- फेसबुक और क्लीनमैक्स ने भारत में पवन और सौर सुविधाओं से अक्षय ऊर्जा का समर्थन करने के लिए साझेदारी की घोषणा की।
- फेसबुक पर नवीकरणीय ऊर्जा के प्रमुख उर्वी पारेख ने एक बयान में कहा, "हम इस महत्वपूर्ण कदम की घोषणा करने में उत्साहित हैं, जो हमें भारत में हमारे कार्यालयों सहित 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा के साथ क्षेत्र में अपने कार्यों का समर्थन करने में मदद कर रहा है।

ACHIEVERS IAS

- समझौते के तहत, फेसबुक और क्लीनमैक्स भारत की इलेक्ट्रिकल ग्रिड में अक्षय ऊर्जा की आपूर्ति करने वाली पवन और सौर परियोजनाओं के एक पोर्टफोलियो को इकट्ठा करेंगे।
- समझौते में ऑनलाइन लाया जाने वाला पहला प्रोजेक्ट कर्नाटक, भारत में स्थित एक 32MW पवन परियोजना है। इसके बाद उन राज्यों में काम किया जाएगा, जहां टेक दिग्गज चालू है। परियोजना की क्षमता का लगभग आधा हाल ही में कमीशन किया गया है और पहले से ही बिजली पैदा कर रहा है।
- क्लीनमैक्स के साथ यह साझेदारी निकट भविष्य में नई सौर और पवन ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम होगी, जो भारतीय विद्युत ग्रिड के डीकार्बोनाइजेशन में योगदान करती है।
- सोशल मीडिया दिग्गज ने यह भी घोषणा की कि यह 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच गया है और अपने वैश्विक परिचालन के लिए शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल किया है।

ACHIEVERS IAS ACADEMY